

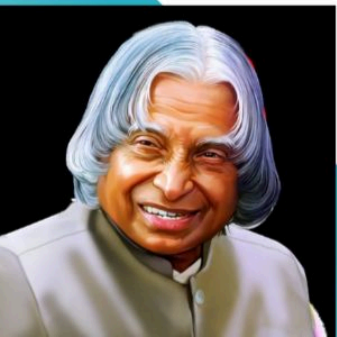
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 31 अक्टूबर 2026, अंक -390.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"यदि धन खो गया तो कुछ नहीं खोया, स्वास्थ्य खो गया तो कुछ खोया, पर चरित्र खो गया तो सब कुछ खो गया।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रपतार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हँ दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार...!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. टोगो की राजधानी क्या है?

उत्तर: लोमे

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन थीं?

उत्तर: मीरा कुमार

प्रश्न 3. 'पुंग चोलोम' किस राज्य की प्रसिद्ध नृत्य-संगीत परंपरा है?

उत्तर: मणिपुर

प्रश्न 4. $3.6 \div 0.6$ का मान कितना होगा?

उत्तर: 6

प्रश्न 5. बिहार के सहरसा जिले में स्थित प्रसिद्ध मंडन मिश्र धाम किस स्थान से जुड़ा है?

उत्तर: महिषी

प्रश्न 6. किस पक्षी के पैरों में दो उँगलियाँ आगे और दो पीछे होती हैं, जिससे उसे पेड़ पर चढ़ने में सहायता मिलती है?

उत्तर: कठफोड़वा

प्रश्न 7. खदानों में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा के लिए सेफ्टी लैम्प का आविष्कार किसने किया था?

उत्तर: हम्फ्री डेवी

प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में ग्राम पंचायतों के संगठन का निर्देश दिया गया है?

उत्तर: अनुच्छेद 40

प्रश्न 9. 'जो अपने वचन का पालन करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: वचनबद्ध

प्रश्न 10. भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में रखने से मुख्यतः किस प्रक्रिया की गति धीमी हो जाती है?

उत्तर: सूक्ष्मजीवों की वृद्धि

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Atmosphere - एटमॉस्फियर - वायुमंडल
- 2 Biosphere - बायोस्फियर - जीवमंडल
- 3 Lithosphere - लिथोस्फियर - स्थलमंडल
- 4 Hydrosphere - हाइड्रोस्फियर - जलमंडल
- 5 Glacier - ग्लेशियर - हिमनद
- 6 Geyser - गीज़र - गर्म जल का प्राकृतिक फव्वारा
- 7 Estuary - एस्ट्यूअरी - ज्वारनदमुख



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How long is he/she going to + V1?"

(वह कितने समय तक ... करने वाला/वाली है?)

वह कितने समय तक पढ़ाई करने वाला है? – How long is he going to study?

वह कितने दिनों तक वहाँ रहने वाली है? – How long is she going to stay there?

वह कितनी देर तक इंतज़ार करने वाला है? – How long is he going to wait?

वह कितने समय तक यात्रा करने वाली है? – How long is she going to travel?

वह कितनी देर तक अभ्यास करने वाला है? – How long is he going to practise?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अखंडता को समर्पित कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: राष्ट्रीय एकता दिवस (National Unity Day)

व्याख्या: 31 अक्टूबर को भारत के 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 - 15 दिसंबर 1950) की जयंती को वर्ष 2014 से पूरे देश में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ कूटनीति और दूरदर्शिता से 560 से अधिक देशी रियासतों (जैसे जूनागढ़, हैदराबाद और भोपाल) का भारतीय संघ में ऐतिहासिक एकीकरण कर अखंड भारत का निर्माण किया था। इस अवसर पर देश भर में 'रन फॉर यूनिटी' (Run for Unity) दौड़ तथा राष्ट्रीय एकता की शपथ आयोजित की जाती है। गुजरात के केवड़िया (एकता नगर) में नर्मदा नदी के तट पर सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्थापित है, जो विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

संदर्भ: Ministry of Home Affairs, Government of India Notification 2014; NCERT History Class 8 & 12 (आधुनिक भारत का निर्माण);

प्र.2. अक्टूबर 2026 में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा ओडिशा के तट से किस नई पीढ़ी की सतह-से-सतह पर मार करने वाली अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल के उन्नत परीक्षण का सफल संचालन किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: प्रलय मिसाइल (Pralay Missile)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में डीआरडीओ (DRDO) ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप (ओडिशा तट) से स्वदेशी सामरिक मिसाइल 'प्रलय' के उन्नत संस्करण का सफल परीक्षण किया। प्रलय एक ठोस-प्रणोदक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल (Quasi-Ballistic Missile) है, जिसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है। यह मिसाइल उड़ान के दौरान वायुमंडल में अपना मार्ग बदलने में सक्षम है, जिसके कारण शत्रु के वायु रक्षा रडार और इंटरसेप्टर मिसाइलें इसे आसानी से नष्ट नहीं कर सकती हैं। यह 500 से 1,000 किलोग्राम तक के पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम है और इसे वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) तथा नियंत्रण रेखा (LoC) पर सेना की तोपखाना मारक क्षमता को अचूक बनाने हेतु विकसित किया गया है।

संदर्भ: Defence Research and Development Organisation (DRDO) Press Release October 2026;

प्र.3. महाकवि कालिदास द्वारा संस्कृत में रचित वह कौन-सा अमर नाटक है, जिसमें हस्तिनापुर के राजा दुष्यंत और ऋषि कण्व की पालिता पुत्री के प्रेम, दुर्वासा ऋषि के शाप और अंगूठी के माध्यम से पहचान का प्रसंग वर्णित है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: अभिज्ञानशाकुंतलम्

व्याख्या: 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' महाकवि कालिदास द्वारा रचित सात अंकों का विश्वविख्यात संस्कृत नाटक है। जर्मन विद्वान गेटे ने इस नाटक की प्रशंसा में सिर पर रखकर नृत्य करने की बात कही थी। 1789 में सर विलियम जोन्स ने इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया, जिससे भारतीय साहित्य की कीर्ति पश्चिम में फैली। इसमें राजा दुष्यंत और शाकुंतला के गांधर्व विवाह, दुर्वासा ऋषि के शाप के कारण दुष्यंत द्वारा शाकुंतला की विस्मृति, तथा धीवर द्वारा मछली के पेट से प्राप्त मुद्रिका (अंगूठी) देखकर दुष्यंत को पूर्व-स्मृति लौटने का अत्यंत कारुणिक और उत्कृष्ट काव्यमय चित्रण है। इस नाटक के चतुर्थ अंक को संस्कृत नाट्य परंपरा में सर्वोत्तम माना जाता है।

संदर्भ: महाकवि कालिदास - 'अभिज्ञानशाकुंतलम्', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन; NCERT History Class 6 (हमारे प्राचीन नाटक);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए क्षेत्र में जैविक समुदाय का समय के साथ क्रमिक, व्यवस्थित और पूर्वानुमेय परिवर्तन जिसके अंत में एक स्थिर चरम समुदाय स्थापित होता है, क्या कहलाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological Succession)

व्याख्या: पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological Succession) वह प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र की प्रजाति संरचना समय के साथ क्रमिक और व्यवस्थित रूप से बदलती रहती है। यह दो प्रकार का होता है: (1) प्राथमिक अनुक्रमण - जो उन क्षेत्रों में शुरू होता है जहाँ पहले कोई जीव नहीं था (जैसे नग्न चट्टानें, ठंडा लावा); (2) द्वितीयक अनुक्रमण - जो उन स्थानों पर शुरू होता है जहाँ प्राकृतिक आपदा, दावानल या बाढ़ से पहले की वनस्पति नष्ट हो गई हो। अनुक्रमण की प्रारंभिक अवस्था 'क्रमक' (Sere) कहलाती है और इसका अंतिम, अत्यंत संतुलित व स्थिर चरण 'चरम समुदाय' (Climax Community / जैसे घना वन) कहलाता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecological Succession), p. 263-266;

प्र.5. 1855-56 में बिहार और झारखंड के दामिन-ए-कोह (संथाल परगना) क्षेत्र में ब्रिटिश हुकूमत और महाजनों के शोषण के विरुद्ध तीर-धनुषों के बल पर ऐतिहासिक 'संथाल हूल' का नेतृत्व करने वाले चार सगे भाई कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: सियो, कान्हू, चांद और भैरव (संथाल बंधु)

व्याख्या: 30 जून 1855 को भगनाडीह गाँव में 10,000 से अधिक संथालों की विशाल सभा में सियो और कान्हू ने ब्रिटिश राज और शोषक साहुकारों (दीकु) के विरुद्ध 'संथाल हूल' (विद्रोह) का शंखनाद किया था। इन दोनों भाइयों के साथ उनके छोटे भाई चांद, भैरव तथा बहनें फूलो और झानो भी इस क्रांति में शामिल थीं। उन्होंने "जमींदार, महाजन, पुलिस और राजस्व अधिकारियों का नाश हो" का नारा दिया और भागलपुर से राजमहल के बीच ब्रिटिश डाक और रेलवे व्यवस्था को पंगु बना दिया। मेजर बरो की ब्रिटिश सेना को पीरपैती के मैदान में संथालों ने पराजित किया। हालांकि मार्शल लॉ लगाकर अंग्रेजों ने क्रूरता से इस विद्रोह को दबा दिया, परंतु इसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार को 1855 में 'संथाल परगना जिला' तथा 'संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम' (SPT Act) लागू करना पड़ा।

प्र.6. राजस्थान के उदयपुर में अरावली श्रेणी से निकलकर गुजरात के खंभात की खाड़ी में गिरने वाली वह कौन-सी प्रसिद्ध नदी है, जिसके तट पर महात्मा गांधी ने 1917 में अपने प्रसिद्ध आश्रम की स्थापना की थी? (भूगोल)
उत्तर: साबरमती नदी (Sabarmati River)

व्याख्या: साबरमती नदी पश्चिमी भारत की एक प्रमुख नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 371 किलोमीटर है। इसका उद्गम राजस्थान के उदयपुर जिले में अरावली पर्वत श्रेणी की जयसमंद झील के निकट से होता है। यह राजस्थान में 48 किमी बहने के बाद गुजरात राज्य में प्रवेश करती है और अहमदाबाद तथा गांधीनगर से होती हुई खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में विलीन हो जाती है। साबर और हाथमती धाराओं के संगम के बाद इसे साबरमती कहा जाता है। 17 जून 1917 को महात्मा गांधी ने अहमदाबाद में इसी नदी के सुरम्य तट पर 'साबरमती आश्रम' (सत्याग्रह आश्रम) की स्थापना की थी, जो दांडी मार्च (1930) सहित संपूर्ण स्वाधीनता संग्राम का मुख्य वैचारिक केंद्र बना रहा।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22-24;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस संशोधन अधिनियम द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया तथा संविधान में भाग-IX और 11वीं अनुसूची जोड़ी गई? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992

व्याख्या: 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ने भारत में स्थानीय स्वशासन (Local Self-Government) को संवैधानिक मान्यता प्रदान की। यह कानून 24 अप्रैल 1993 से पूरे देश में लागू हुआ (इसी कारण 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है)। इसके माध्यम से संविधान में नया भाग-IX (अनुच्छेद 243 से 243O) और '11वीं अनुसूची' जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों के कार्यक्षेत्र के लिए कुल 29 विषय (जैसे कृषि, ग्रामीण आवास, पेयजल, प्राथमिक शिक्षा) सौंपे गए। इस अधिनियम ने ग्राम सभा की स्थापना, त्रि-स्तरीय ढांचा (ग्राम, प्रखंड व जिला स्तर), महिलाओं के लिए कम से कम एक-तिहाई (33%) आरक्षण (बिहार ने इसे बढ़ाकर 50% किया), तथा राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य वित्त आयोग का गठन अनिवार्य किया।

संदर्भ: Constitution of India, Part IX, 11th Schedule;

प्र.8. किसी विद्युत बल्ब के फिलामेंट में टंगस्टन (Tungsten) धातु का ही उपयोग क्यों किया जाता है, इसके दो मुख्य भौतिक गुण क्या हैं? (विज्ञान)

उत्तर: अत्यधिक उच्च गलनांक (लगभग 3380°C) और उच्च प्रतिरोधकता

व्याख्या: विद्युत बल्ब के तंतु (Filament) के रूप में टंगस्टन धातु को चुने जाने के दो प्रमुख वैज्ञानिक कारण हैं: (1) अत्यधिक उच्च गलनांक (High Melting Point) – टंगस्टन का गलनांक लगभग 3380 डिग्री सेल्सियस होता है; जब बल्ब में विद्युत धारा प्रवाहित होती है, तो जूल के तापन प्रभाव ($H = I^2Rt$) के कारण तंतु अत्यधिक गर्म होकर श्वेत-तप्त (White-hot) हो जाता है और बिना पिघले तीव्र प्रकाश उत्सर्जित करता है; (2) उच्च प्रतिरोधकता तथा उच्च तापमान पर ऑक्सीकरण (दहन) न होना – बल्ब के कांच के गोले के भीतर नाइट्रोजन या आर्गन जैसी अक्रिय गैसें भरी जाती हैं, जिससे तंतु का जीवनकाल लंबा बना रहता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (तापीय प्रभाव के व्यावहारिक अनुप्रयोग), p. 237-240;

प्र.9. 9वीं शताब्दी में चोल राजवंश के सम्राट विजयालय चोल द्वारा तंजावुर नगर को अपनी राजधानी बनाने के उपरांत किस देवी के भव्य पाषाण मंदिर का निर्माण करवाया गया था? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: निशुंभसूदनी देवी मंदिर (तंजावुर)

व्याख्या: 9वीं शताब्दी के मध्य (लगभग 850 ईस्वी) में चोल वंश के संस्थापक विजयालय चोल ने पल्लवों और पांड्यों की दुर्बलता का लाभ उठाकर मुत्तुरैयार सरदारों को पराजित किया और तंजावुर (तंजौर) पर अधिकार कर उसे चोल साम्राज्य की राजधानी बनाया। तंजावुर विजय के उपलक्ष्य में उन्होंने वहां चोल कुल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में 'निशुंभसूदनी' (दुर्गा का महिषासुरमर्दिनी रूप) का एक भव्य पाषाण मंदिर बनवाया। तिरुवालंगाडु ताम्रपत्र शिलालेखों में इसका प्रामाणिक विवरण मिलता है। इस मंदिर की वास्तुकला प्रारंभिक चोल स्थापत्य का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसने बाद में राजराज चोल के काल में बृहदेश्वर मंदिर जैसे विशाल स्मारकों का मार्ग प्रशस्त किया।

संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 2 "नए राजा और उनके राज्य", p. 22-25;

प्र.10. 1916 में बिहार के राजकुमार शुक्ल ने कांग्रेस के किस ऐतिहासिक अधिवेशन में महात्मा गांधी से भेंट कर उन्हें चंपारण के नीलहे किसानों की दुर्दशा देखने हेतु आमंत्रित किया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: लखनऊ अधिवेशन (1916)

व्याख्या: दिसंबर 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 31वां वार्षिक अधिवेशन उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित हुआ था (जिसकी अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी)। इसी ऐतिहासिक अधिवेशन में चंपारण के मुरली भरहवा गाँव के जुझारू किसान नेता 'राजकुमार शुक्ल' ने बिहार के प्रतिनिधिमंडल के साथ भाग लिया और पहली बार महात्मा गांधी से भेंट की। उन्होंने गांधीजी को चंपारण के गोरे जमींदारों द्वारा किसानों पर थोपी गई दमनकारी 'तिनकठिया प्रथा' (भूमि के 3/20 भाग पर नील की अनिवार्य खेती) और अवैध अबवाब (करों) के बारे में विस्तार से बताया। शुक्ल जी के अनवरत और दृढ़ आग्रह पर ही गांधीजी अप्रैल 1917 में चंपारण पहुंचे, जहाँ भारत की धरती पर उनके प्रथम सफल 'सत्याग्रह' का सूत्रपात हुआ।

संदर्भ: Dr. Rajendra Prasad — 'Champaran Mein Mahatma Gandhi'; NCERT History Class 12 (भाग-3), Ch 13 "महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन", p. 347-350;



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W5 – स्वच्छता संबंधी जानकारी) के अनुसार 'विश्व हाथ धुलाई दिवस' की मानक तकनीक के अंतर्गत साबुन से हाथ धोने के 6 चरण (SUMAN-K सूत्र) क्या हैं और भोजन करने से पूर्व कम से कम कितने सेकंड तक हाथ धोना अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: सीधा, उल्टा, मुट्ठी, अंगूठा, नाखून और कलाई (SUMAN-K); न्यूनतम 20 सेकंड तक

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W5: स्वच्छता संबंधी जानकारी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के स्वच्छता मानकों के अनुसार, 80 प्रतिशत से अधिक संक्रामक बीमारियों (डायरिया, पेचिश, कृमि रोग और टाइफाइड) दूषित हाथों के माध्यम से फैलती हैं: (1) हाथ धोने का समय – शौच के बाद, खेलकूद के उपरांत तथा मध्याह्न भोजन (MDM) करने से ठीक पूर्व स्वच्छ बहते पानी और साबुन से कम से कम 20 से 30 सेकंड तक हाथ धोना अनिवार्य है; (2) वैज्ञानिक तकनीक (SUMAN-K सूत्र):

- S (सीधा): दोनों हथेलियों को आपस में सीधा रगड़ें।
- U (उल्टा): हथेली को दूसरी हथेली के पीछे (उल्टे भाग) पर रखकर उंगलियों के बीच रगड़ें।
- M (मुट्ठी): दोनों हाथों की उंगलियों को फंसाकर मुट्ठी बनाकर रगड़ें।
- A (अंगूठा): दोनों हाथों के अंगूठों को गोल-गोल घुमाकर साफ करें।
- N (नाखून): उंगलियों के नाखूनों को हथेली पर गोल घुमाते हुए रगड़ें ताकि मैल निकल जाए।
- K (कलाई): दोनों हाथों की कलाईयों को अच्छी तरह साफ करें। इसके उपरांत हाथों को साफ तौलिये या हवा में सुखाएं। विद्यालयों में साफ पेयजल स्रोत और स्वच्छ शौचालयों का नियमित उपयोग बाल स्वास्थ्य की पहली सुरक्षा ढाल है। संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W5 – "स्वच्छता"



- प्र.12. एक कक्षा में 60 विद्यार्थी हैं, जिनमें लड़कों और लड़कियों का अनुपात 3:2 है। यदि कक्षा में 20 नई लड़कियाँ और प्रवेश ले लें, तो अब लड़कों और लड़कियों का नया अनुपात क्या होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग) उत्तर: 3:3 अर्थात 1:1 (समान) व्याख्या: यह अनुपात और समानुपात के मूलभूत नियमों पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। कुल विद्यार्थियों की संख्या = 60 लड़कों और लड़कियों का प्रारंभिक अनुपात = 3:2 अनुपाती योग = 3 + 2 = 5 इकाई। 5 इकाई = 60 विद्यार्थी 1 इकाई का मान = 60 / 5 = 12। अतः प्रारंभिक संख्या: लड़कों की संख्या = 3 × 12 = 36 लड़कियों की संख्या = 2 × 12 = 24। (जाँच: 36 + 24 = 60 विद्यार्थी)। अब कक्षा में 20 नई लड़कियाँ शामिल हो जाती हैं: लड़कियों की नई संख्या = 24 + 20 = 44 (चूँकि लड़कों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है, अतः लड़के = 36 ही रहेंगे)। नया अनुपात (लड़के : लड़कियाँ) = 36 : 44 दोनों पदों को 4 से विभाजित कर सरल करने पर: 36 / 4 = 9 44 / 4 = 11 अतः लड़कों और लड़कियों का अभीष्ट नया अनुपात 9:11 होगा। (पुनरावलोकन: प्रारंभिक 36 लड़के और नई 44 लड़कियाँ मिलकर कुल 80 विद्यार्थी; अनुपात = 36/44 = 9/11)। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 12 "अनुपात और समानुपात", p. 248-253;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abysmal (अबिज़्मल) = Dreadful (ड्रेडफुल) = अत्यंत खराब / दयनीय
Antonym – Excellent (एक्सलेंट) = उत्कृष्ट / शानदार
2. Capacious (कपेशस) = Spacious (स्पेशस) = विशाल / पर्याप्त जगह वाला
Antonym – Cramped (क्रैम्प्ट) = तंग / संकीर्ण
3. Decry (डिक्राई) = Denounce (डिनाउन्स) = कड़ी निंदा करना / भर्त्सना करना
Antonym – Commend (कमेन्ड) = प्रशंसा करना / सराहना करना
4. Equanimity (इक्वैनिमिटी) = Composure (कम्पोज़र) = मानसिक संतुलन / धैर्य
Antonym – Agitation (ऐजिटेशन) = व्याकुलता / बेचैनी
5. Ostensible (ऑस्टेन्सिबल) = Apparent (अपैरेंट) = दिखावटी / केवल ऊपर से दिखाई देने वाला
Antonym – Genuine (जेन्युइन) = वास्तविक / असली



~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।



"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Union Cabinet approves key development schemes worth ₹29,267 crore, including ₹10,016 crore for Dearness Allowance for government employees

हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29,267 करोड़ रुपये की प्रमुख विकास योजनाओं को मंजूरी दी, जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिए 10,016 करोड़ रुपये का महंगाई भत्ता शामिल है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29,267 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। इसमें 1 जुलाई 2026 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाने के लिए 10,016 करोड़ रुपये शामिल हैं।

India invites Pakistan to attend SCO meeting in New Delhi; first such invitation since Operation Sindoor

हिन्दी अनुवाद: भारत ने पाकिस्तान को नई दिल्ली में SCO बैठक में भाग लेने का निमंत्रण दिया; ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला ऐसा निमंत्रण।

भारत ने पाकिस्तान को नई दिल्ली में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (SCO) बैठक में भाग लेने का निमंत्रण दिया है। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला ऐसा निमंत्रण है।

India and US enhance defence relationship through comprehensive 10-year agreement; Rajnath Singh cautions Hegseth against double standards on terrorism

हिन्दी अनुवाद: भारत और अमेरिका व्यापक 10-वर्षीय समझौते के माध्यम से रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहे हैं; राजनाथ सिंह ने हेगसेथ को आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों से सावधान किया।

भारत और अमेरिका रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए एक व्यापक 10-वर्षीय समझौते पर काम कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ को आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों के खिलाफ चेतावनी दी।

INTERNATIONAL NEWS

Saudi Arabia intercepts drone near Mecca; Houthis claim six attacks on Saudi airports and oil facilities; Iran claims four tankers hit mines in Hormuz

हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब ने मक्का के पास ड्रोन रोका; हूतियों ने सऊदी हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर छह हमलों का दावा किया; ईरान ने होर्मुज़ में चार टैंकरों पर खनों से टकराने का दावा किया।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का क्षेत्र के पास हूतियों द्वारा दागे गए ड्रोन को रोकने और नष्ट करने का दावा किया। हूतियों ने सऊदी अरब में हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर छह हमलों का दावा किया। ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में चार टैंकरों को खनों से टकराने का दावा किया।

IRGC Navy claims three oil tankers exploded and caught fire while attempting to cross Strait of Hormuz; Houthis deny attacks on Saudi territory

हिन्दी अनुवाद: IRGC ने कहा कि होर्मुज़ पार करने की कोशिश करते समय तीन तेल टैंकर विस्फोट और आग का शिकार हुए; हूतियों ने सऊदी क्षेत्र पर हमलों से इनकार किया।

ईरान के इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स नेवी ने दावा किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश करते समय तीन तेल टैंकर विस्फोट हुए और आग लग गई। हूतियों ने सऊदी क्षेत्र पर आज कोई हमला नहीं करने का दावा किया।

Saudi-led coalition intercepts drone near Mecca; Houthis claim six attacks on airports and oil facilities across Saudi Arabia; Saudi and Iranian senior officials meet in Tehran

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का के पास ड्रोन रोका; हूतियों ने सऊदी अरब भर में हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर छह हमलों का दावा किया; सऊदी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों की तेहरान में बैठक।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का क्षेत्र के पास हूतियों द्वारा दागे गए ड्रोन को रोकने और नष्ट करने का दावा किया। हूतियों ने सऊदी अरब भर में हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर छह हमलों का दावा किया। सऊदी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों की तेहरान में दुर्लभ बैठक हुई।

BIHAR NEWS

Bihar to seek relief funds from Centre to remove sand, silt from flood-hit farmlands, fisheries; 22 districts asked to assess damage

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू-गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगा; 22 जिलों को क्षति आकलन का निर्देश। बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू और गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 जिलों के जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित कृषि भूमि और मत्स्य क्षेत्रों में जमा बालू और गाद का आकलन करने का निर्देश दिया है। बाढ़ गंगा, सोन, गंडक, कोसी और अन्य नदियों में आई थी।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; government approves plan to remove silt and build embankment from Valmikinagar to 80 km

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; सरकार ने गाद हटाने और वाल्मीकिनगर से 80 किमी तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी।

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। बिहार सरकार ने गंडक नदी से गाद निकालने और वाल्मीकिनगर से करीब 80 किलोमीटर तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी है।

SPORTS NEWS

New Zealand beat India by 87 runs in 4th T20I; India lead series 3-1

हिन्दी अनुवाद: न्यूज़ीलैंड ने चौथे T20I में भारत को 87 रन से हराया; भारत श्रृंखला में 3-1 से आगे।

ऑकलैंड के ईडन पार्क में न्यूज़ीलैंड ने 259/7 बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 107 रन बनाए और माइकल ब्रेसवेल ने 65 रन बनाए। जेकब डफी ने 4 विकेट लिए। भारत 172/9 पर सिमट गया।

India lead series 3-1; 5th T20I to be played in Hamilton on November 1

हिन्दी अनुवाद: भारत श्रृंखला में 3-1 से आगे; पाँचवां T20I 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

भारत ने पहले तीन T20I जीते हैं और श्रृंखला में 3-1 की बढ़त बनाई है। पाँचवां T20I 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“भारत को अगले कुछ वर्षों में ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनना चाहिए: रक्षा मंत्री”

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेशनल डिफेंस इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव 2026 में कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच भारत को अगले कुछ वर्षों में स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के लिए मिशन मोड में काम करना चाहिए।

उन्होंने रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी बढ़ाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन उत्पादन

पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-29

सोचो... समझो... हल करो...

		9							
2			5		7	8			
	6					4	2		
			4			3			
5			6						
	3		8		1	7			4
	1	3							
4	5		7	9					
					8				

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

— महात्मा गांधी

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

3	8	9	1	4	2	5	7	6
2	4	1	6	9	7	8	3	5
7	6	5	9	8	3	4	2	1
1	2	8	4	7	5	3	9	6
6	7	4	5	3	9	2	1	8
9	3	6	5	2	1	7	8	4
8	1	3	2	6	4	9	5	7
4	5	2	7	9	5	1	8	3
5	9	7	3	1	8	6	4	2

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 8, श्लोक 6
यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्।
तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद्भावभावितः॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे कुन्तीपुत्र (अर्जुन)! मनुष्य अंत समय में जिस-जिस भाव का स्मरण करते हुए अपने शरीर का त्याग करता है, वह सदा उसी भाव से भावित (ओत-प्रोत) रहने के कारण उसी को प्राप्त होता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

यह श्लोक केवल मृत्यु के अंतिम क्षण का धार्मिक वर्णन नहीं है, बल्कि मानव अवचेतन (Subconscious Conditioning) और आदत निर्माण (Habit Loops) का गहरा मनोवैज्ञानिक नियम है:

- सदा तद्भावभावितः (The Law of Predominant Thoughts): श्लोक का सबसे महत्वपूर्ण शब्द है—'सदा तद्भावभावितः'। अंतिम क्षण में अचानक कोई नया या महान विचार नहीं आ सकता। अंतिम समय में मन में वही विचार उभरेगा, जिसमें आपने जीवनभर अपने मन को डुबोए रखा है। आपकी अंतिम मानसिक अवस्था आपके पूरे जीवन के चिंतन का निचोड़ (Summary) होती है।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नए परिवर्तन है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथः बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालत सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालत हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बंटल रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका
भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनव्यवस्था बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालत का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो - जगन्नाथ

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतियोगिता पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से साक्षीगण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विवरित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ती है शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
संस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामुदायिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस हो रही है।
शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सरावत

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9



आचार्य जे.बी. कृपलानी

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे निडर और सच्चे शिक्षक के बारे में सुना है, जो देश की आज़ादी के लिए अपनी प्रोफेसरी छोड़कर चंपारण के खेतों में किसानों की आवाज़ बन गए? वे संसद से लेकर सड़क तक केवल सच बोलते थे और जो गलत होता, उस पर अपनी ही सरकार की कमियों को भी बेबाकी से उजागर कर देते थे। देशवासी उन्हें बड़े आदर और प्रेम से 'आचार्य कृपलानी' कहकर पुकारते हैं। वे थे आचार्य जीवतराम भगवानदास कृपलानी!

आचार्य कृपलानी का जन्म 11 नवंबर 1888 को तत्कालीन सिंध प्रांत (वर्तमान पाकिस्तान) के हैदराबाद शहर के एक प्रतिष्ठित और संभ्रांत अमिल हिंदू परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री भगवानदास कृपलानी एक सरकारी राजस्व अधिकारी थे, जो बहुत ईमानदार, गंभीर और अनुशासनप्रिय व्यक्ति थे। उनकी माता अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और सादगीपसंद महिला थीं।

नन्हे जीवतराम बचपन से ही बड़े कुशाग्र बुद्धि, साहसी और विद्रोही स्वभाव के थे। स्कूल के दिनों से ही उनके दिल में देशभक्ति का जज़्बा हिलोरे मारता था। जब वे पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में पढ़ते थे, तब बंगाल विभाजन के विरोध में उन्होंने कॉलेज में अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाई, जिसके कारण उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया। लेकिन उन्होंने पढ़ाई नहीं छोड़ी; उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से इतिहास और अर्थशास्त्र में उच्च शिक्षा (एम.ए.) पूरी की। इसके बाद वे बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित प्रसिद्ध लंगत सिंह कॉलेज (एल.एस. कॉलेज) में इतिहास और अंग्रेज़ी के प्राध्यापक (प्रोफेसर) बने। वे अपने छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ देशप्रेम और चरित्र निर्माण का पाठ पढ़ाते थे, जिसके कारण सभी छात्र और शिक्षक उन्हें आदर से 'आचार्य जी' कहने लगे।

वर्ष 1917 में जब महात्मा गांधी बिहार के चंपारण में निलहे अंग्रेज़ों के शोषण से पीड़ित किसानों की मदद करने आए, तो मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर रात के बारह बजे आचार्य कृपलानी ने अपने विद्यार्थियों के साथ लालटेन लेकर बापू का ऐतिहासिक स्वागत किया। बापू की सादगी और सत्य-अहिंसा के विचारों ने आचार्य जी के हृदय को ऐसा छुआ कि उन्होंने अपनी बंधी-बधाई प्रोफेसर की नौकरी हमेशा के लिए छोड़ दी और चंपारण सत्याग्रह के मुख्य सेनानी बन गए। इसके बाद वे गुजरात विद्यापीठ के कुलपति (प्रिंसिपल) रहे और खादी व स्वदेशी का घर-घर प्रचार किया।

आचार्य कृपलानी ने स्वतंत्रता आंदोलन में लगभग एक दशक तक जेल की सलाखों के पीछे कठोर यातनाएँ सहੀं। वे 1934 से 1945 तक लगातार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव रहे और 1946 के ऐतिहासिक मेरठ अधिवेशन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। जब 15 अगस्त 1947 की आधी रात को हमारा प्यारा देश आज़ाद हुआ, तब आचार्य कृपलानी ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। वे संविधान सभा के प्रमुख सदस्य रहे और मौलिक अधिकारों की उप-समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने नागरिकों के मूल अधिकारों को संविधान में सुरक्षित कराया।

स्वतंत्रता के बाद वे संसद के एक निर्भीक और निष्पक्ष सांसद बने। उनका जीवन एक संन्यासी की तरह सादा था—वे खुद सूत कातते, सादी धोती-कुर्ता पहनते और कभी किसी पद या सत्ता के लोभ में नहीं आए। 19 मार्च 1982 को 93 वर्ष की दीर्घायु में अहमदाबाद में इस महान कर्मयोगी ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, आचार्य कृपलानी का पावन जीवन हमें सिखाता है कि हमेशा सच का साथ दो, अपने विचारों में निष्पक्ष और निडर रहो तथा सादगी और सेवा को ही अपने जीवन का सच्चा गहना मानो।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





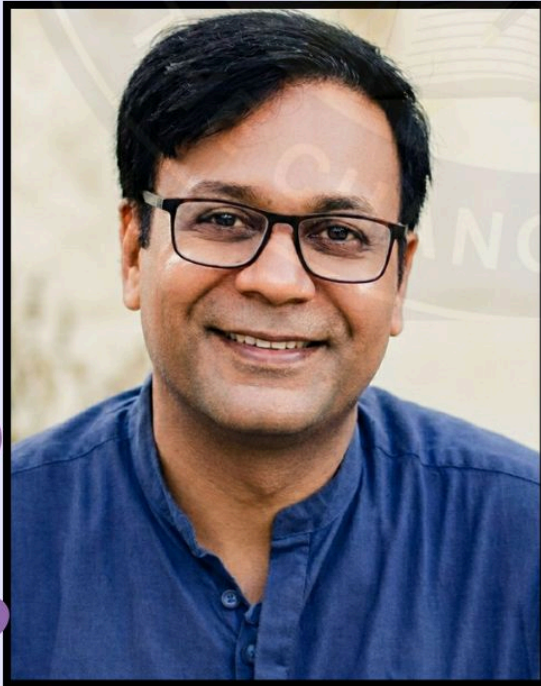
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

आपका भविष्य किसी आकस्मिक चमत्कार से नहीं, बल्कि आज के प्रमुख विचारों से तय हो रहा है। अपने दिन-प्रतिदिन के चिंतन को सकारात्मक, कर्तव्यनिष्ठ और शांत रखिए; क्योंकि जो भाव आप हर रोज जीते हैं, वही अंततः आपका स्वरूप बन जाता है।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

